पर्वतमाला योजना

प्रलिम्सि के लयि:

पर्वतमाला योजना, रोपवे।

मेन्स के लयि:

पर्वतमाला योजना का महत्त्व और रोपवे के लाभ।

चर्चा में क्यों?

हाल ही में केंद्रीय वत्ति मंत्री ने वर्ष 2022-23 के केंद्रीय बजट में पहाड़ी क्षेत्रों में कनेक्टविटिी में सुधार के लयि राष्ट्रीय रोपवे वकिास कार्यक्रम- "पर्वतमाला" की घोषणा की है।

प्रमुख बदिु

पर्वतमाला योजना के बारे में:

- इस योजना को पीपीपी (पब्लकि प्राइवेट पार्टनरशपि) मोड में शुरू कयि जाएगा, जो दुर्गम पहाड़ी क्षेत्रों में पारंपरकि सड़कों के स्थान पर पारस्थितिकी रूप से स्थायी एक पसंदीदा वकिल्प होगा।
- यह पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ-साथ यात्रयिों हेतु कनेक्टविटिी और सुवधिा में सुधार करने से संबंधति है।
- इसमें भीड़-भाड़ वाले उन शहरी क्षेत्रों को भी शामलि कयि जा सकता है, जहाँ पारंपरकि जन परविहन प्रणाली संभव नहीं है।
- यह योजना वर्तमान में उत्तराखंड, हमिाचल प्रदेश, मणपिुर, जम्मू-कश्मीर और अन्य पूर्वोत्तर राज्यों में शुरू की जा रही है।
- वत्ति मंत्री ने घोषणा की है कि वर्ष 2022-23 में 60 कमिी. की लंबाई के लयि 8 रोपवे परयिोजनाओं के ठेके दए जाएंगे।

नोडल मंत्रालय:

- सड़क परविहन और राजमार्ग मंत्रालय (MoRTH) के पास इस क्षेत्र में रोपवे और वैकल्पकि गतशिीलता समाधान प्रौद्योगकिी के साथ-साथ नरि्माण, अनुसंधान एवं नीतकि वकिास की ज़मि्मेदारी होगी।
- फरवरी 2021 में भारत सरकार (व्यवसाय का आवंटन) नयिम 1961 में संशोधन कयि गया था, जसिने MORTH को रोपवे और अल्टरनेट मोबलिटिी सॉल्यूशंस के वकिास की देखभाल हेतु सक्षम बनाया।
    - यह कदम एक नयिामक व्यवस्था स्थापति कर इस क्षेत्र को बढ़ावा देगा।
    - 'MORTH' अब तक देश भर में राजमार्गों के वकिास और सड़क परविहन क्षेत्र को वनियिमति करने हेतु उत्तरदायी रहा है।

महत्त्व:

- **परविहन का कफिायती तरीका:**
    - यह देखते हुए कि रोपवे परयिोजनाएँ पहाड़ी इलाके में एक सीधी रेखा में बनाई गई हैं, इससे भूमि अधग्रिहण की लागत भी कम होती है।
    - इसलयि रोडवेज़ की तुलना में प्रतकिमिी. नरि्माण की अधकि लागत होने के बावजूद रोपवे परयिोजनाओं की नरि्माण लागत रोडवेज़ की तुलना में अधकि कफिायती हो सकती है।
- **परविहन का तीव्र तरीका:**
    - परविहन के हवाई मोड के कारण सड़क मार्ग परयिोजनाओं की तुलना में रोपवे काफी फायदेमंद है, क्योंकि पहाड़ी इलाके में एक सीधी रेखा में रोपवे का नरि्माण कयि जा सकता है।
- **पर्यावरण के अनुकूल:**
    - इसमें कम धूल उत्सर्जन होता है। संबंधति सामग्री के कंटेनरों को इस तरह से डज़िाइन कयि जा सकता है कि पर्यावरण में कसिी भी तरह

की गंदगी से बचा जा सके।

- **पूर्ण कनेक्टिविटी:**
  - '3S' (एक विशिष्ट प्रकार की केबल कार प्रणाली) या समकक्ष तकनीकों को अपनाने वाली रोपवे परियोजनाएँ प्रति घंटे 6000-8000 यात्रियों का परिवहन कर सकती हैं।

'रोपवे' के लाभ:

- **कठिन/चुनौतीपूर्ण/संवेदनशील इलाके के लिये आदर्श:**
  - **लंबी रोप स्पैन:** इस सिस्टम में बिना किसी समस्या के नदियों, इमारतों, खड्डों या सड़कों जैसी बाधाओं को पार किया जा सकता है।
  - **टावरों पर निर्देशित रस्सियाँ:** ज़मीन पर कम जगह की आवश्यकता और मनुष्यों या जानवरों के लिये कोई बाधा नहीं।
- **अर्थव्यवस्था:**
  - रोपवे में एकल पावर-प्लांट और ड्राइव मैकेनिज़्म द्वारा संचालित कई केबल कारें शामिल हैं।
  - यह **निर्माण और रख-रखाव दोनों की लागत** को कम करता है।
  - रोपवे में एकल ऑपरेटर के प्रयोग से श्रम लागत में कमी आएगी।
  - **समतल ज़मीन पर रोपवे की लागत नैरो-गेज रेलमार्गों के प्रतिस्पर्द्धी** है, जबकि पहाड़ों में रोपवे कहीं बेहतर है।
- **लचीला:**
  - विभिन्न सामग्रियों का परिवहन- एक रोपवे **विभिन्न प्रकार की सामग्री का एक साथ परिवहन** कर सकता है।
- **बड़ी ढलानों को संभालने की क्षमता:**
  - रोपवे और केबल-वे (केबल क्रेन) बड़े ढलानों और ऊँचाई में बड़े अंतर को संभाल सकते हैं।
  - जहाँ किसी सड़क या रेलमार्ग को स्विचबैक या सुरंगों की आवश्यकता होती है, रोपवे सीधे ऊपर और नीचे फॉल लाइन पर यात्रा करता है। इंग्लैंड में पुराने क्लिफ रेलवे और पहाड़ों में स्की रिसॉर्ट रोपवे इस सुविधा का लाभ उठाते हैं।
- **कम ज़मीन की ज़रूरत:**
  - तथ्य यह है कि **अंतराल पर केवल संकरे आधार के लंबवत समर्थन की आवश्यकता होती है** , शेष ज़मीन को मुक्त छोड़कर, निर्मित क्षेत्रों और उन जगहों पर जहाँ भूमि उपयोग को लेकर तीव्र प्रतिस्पर्द्धा होती है, रोपवे के निर्माण को संभव बनाया जा सकता है।

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/parvatmala-scheme